

28-2-18

प्राप्ति कृषीलार्थी हे वहील उपविगत ।  
 कृषीलार्थी सं. 2 ता। 4 हे वहील उपविगत ।  
 पेशेकार स्वकार उपविगत । प्राप्ति  
 कृषीलार्थी द्वार प्राप्ति पत्र मंत्रांश  
 लक्ष्मी के दृष्टिगत राखते हुए प्राप्ति  
 प्राप्ति पत्र स्वकार विना जाकर  
 कृषील पेशे करने के हुए विलम्ब की  
 अवधि के फलाने विना जाता ही निर्णय  
 कृषीलार्थी प्राप्ति पत्र मंत्रांश  
 लक्ष्मी मंत्रांश से प्राप्त हो तथा मूल कृषील  
 के स्वकार मंत्रांश हो ।

दि. 28-2-18  
 दि. 28-2-18